



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 30 मई, 2026

जारी करने का समय: 1445 घंटे

विषय: (i) मध्य भारत के अधिकांश भागों में चल रही ऊष्ण लहर कम हो गई है, और कल से शेष भागों में भी इसके कम होने की संभावना है।

(ii) इस सप्ताह उत्तर-पूर्वी भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

(iii) 30 और 31 मई को उत्तर-पश्चिमी भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में तेज़ हवाओं के साथ मध्यम से गंभीर गरज-चमक की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 30 मई 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, लक्षद्वीप द्वीप समूह, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ 30 मई 2026 को मानसून की उत्तरी सीमा 10°N/60°E, 9°N/65°E, 8.5°N/70°E, 8°N/75°E, 7.8°N/78°E, 8°N/80°E, 10°N/80°E, 13°N/87°E, 16°N/90°E, 19°N/93°E और 22°N/97°E से होकर गुजरती है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। अगले 4-5 दिनों के दौरान मानसून दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप द्वीप समूह, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में प्रवेश करेगा।

आज, 30 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ बिहार में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, ओडिशा, मेघालय, तमिलनाडु और केरल में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर 80-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; बिहार, गुजरात क्षेत्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, कच्छ, जम्मू-कश्मीर, तटीय आंध्र प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा में 60-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं; हरियाणा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिमी बंगाल, झारखंड, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु में 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान, ओडिशा और मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर धूल भरी आंधी आई।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (दिनांक 29-05-2026): विदर्भ के अधिकांश स्थानों पर, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 40-45°C के बीच रहा, जबकि पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के शेष भागों में यह 36-40°C के बीच रहा। राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) में उच्चतम अधिकतम तापमान 46.0°C दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (दिनांक 29-05-2026) जम्मू-कश्मीर, असम और मेघालय में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, मणिपुर, मिजोरम, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के शेष भागों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य रहा।
- ❖ रात्रि का तापमान/न्यूनतम तापमान (30-05-2026 तक) उत्तर प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, अरुणाचल प्रदेश में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के शेष भागों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दिखाई देने वाला पश्चिमी विक्षोभ, ऊंचाई के साथ उत्तर-पश्चिम की ओर झुकता है, और मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में संबंधित गर्त लगभग 78° पूर्व देशांतर के अनुदिश 25° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्र में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है, और इस चक्रवाती परिसंचरण से उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त फैली हुई है।
- ❖ मध्य पाकिस्तान के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक और गर्त फैली हुई है।
- ❖ समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर स्थित पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश 21° उत्तर अक्षांश के उत्तर में बनी हुई है।
- ❖ मध्य बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पूर्वी मध्य और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर निचले से ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पूर्वी मध्य और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से लक्षद्वीप क्षेत्र तक मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिणपश्चिमी अरब सागर और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ इस सप्ताह क्षेत्र में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 मई से 1 जून और 4 तथा 5 जून को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 1 से 5 जून तक असम और मेघालय में तथा 2 से 5 जून तक अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 30 और 31 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, साथ ही तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 30 मई से 3 जून के दौरान छिटपुट से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को रायलसीमा और 30 मई से 1 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को रायलसीमा में, साथ ही दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 30 और 31 मई को, साथ ही तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 30 मई से 3 जून के दौरान, तथा केरल और माहे में 30 मई से 5 जून के दौरान छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। लक्षद्वीप में 30 मई से 1 जून के दौरान और 4 तथा 5 जून को ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 30 मई को तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 30 मई से 5 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ व्यापक हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 और 31 मई को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 30 मई से 1 जून के दौरान बिहार में, 30 मई और 2 से 5 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिमी बंगाल और सिक्किम में, और 30 मई से 5 जून के दौरान झारखंड और ओडिशा में छिटपुट से लेकर मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ 30 मई को ओडिशा और झारखंड में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और बिहार में, 31 मई को झारखंड में, और 31 और 1 जून को ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार में, 30 मई से 1 जून के दौरान ओडिशा में, और 4 और 5 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को ओडिशा में छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ उत्तराखंड में 31 मई और जम्मू-कश्मीर में 4 और 5 जून को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 30 मई से 1 जून के दौरान और राजस्थान में अगले 7 दिनों के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 30 मई और राजस्थान में 30 और 31 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को जम्मू-कश्मीर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और 1 जून को पश्चिमी राजस्थान में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके आने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 30 और 31 मई को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- ❖ 30 और 31 मई को पूर्वी राजस्थान और 30 मई से 1 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी आने की प्रबल संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 30 मई से 3 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 और 31 मई को विदर्भ में, 30 मई से 3 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में, और 30 मई से 1 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चल सकती हैं और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं) आने की संभावना है।
- ❖ 30 मई से 1 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 और 31 मई को मध्य प्रदेश और विदर्भ में तथा 30 मई को छत्तीसगढ़ में छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 31 मई से 4 जून के दौरान कोंकण और गोवा में, 30 मई से 4 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में, 31 मई से 3 जून के दौरान मराठवाड़ा में और 30 मई से 5 जून के दौरान गुजरात राज्य में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ छिटपुट से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 मई से 2 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके आ सकते हैं) आने की संभावना है।
- ❖ 31 मई से 2 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 31 मई को गुजरात क्षेत्र और 2 जून को मध्य महाराष्ट्र में छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 30 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 31 मई से 5 जून के दौरान इसमें 6-8°C की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ मध्य भारत में 1 जून तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और 2 से 5 जून के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ पूर्वी भारत में 30 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 31 मई से 5 जून के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ उत्तर-पूर्वी भारत में 30 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 31 मई से 5 जून के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 31 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 1 से 3 जून के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट होगी और 4 और 5 जून को इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात राज्य में 3 जून तक अधिकतम तापमान में 3-5°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और 4 और 5 जून को इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 5 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ 30 मई को विदर्भ, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 30 और 31 मई को कोंकण में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 30 मई से 4 जून, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन और मालदीव क्षेत्र, तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के साथ-साथ, दक्षिण और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर में 30 मई से 4 जून, 2026 तक मछली पकड़ने से बचें। साथ ही, 30 और 31 मई को पूरे आंध्र प्रदेश तट और उससे सटे क्षेत्रों में और 1 से 4 जून तक दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास मछली पकड़ने से बचें।
- ❖ अरब सागर: 30 मई से 1 जून तक उत्तरी अरब सागर और पूरे गुजरात तट के साथ-साथ; 31 मई तक पाकिस्तान और ईरान के तटों के साथ-साथ और उससे सटे क्षेत्रों में; 30 और 31 मई को ओमान तट और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी अरब सागर के हिस्सों में; और 2 और 3 जून को पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी अरब सागर और ओमान तट के साथ-साथ मछली पकड़ने से बचें।
- ❖ 30 और 31 मई को सोमालिया के तट और उससे दूर दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के आस-पास के हिस्सों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 30 मई से 02 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ बिहार: मोतिहारी (जिला पूर्वी चंपारण) 12, कसबा (जिला पूर्णिया) 8, सिलाओ (जिला नालंदा) 8, पीपराकोठी (जिला पूर्वी चंपारण) 7, काशीचक (जिला नवादा) 7, सरमेरा (जिला नालंदा) 7, राजगीर (जिला नालंदा) 7;
- ❖ केरल और माहे: उरुमी (जिला कोझिकोड) 11, एर्नाकुलम साउथ (जिला एर्नाकुलम) 10, मट्टनचेरी (जिला एर्नाकुलम) 9, कोट्टि आई.ए.एफ. (जिला एर्नाकुलम) 9, पल्लुरुथी (जिला एर्नाकुलम) 9, चेरथला (जिला अलापुझा) 8, चूंडी (जिला एर्नाकुलम) 7, वैकोम (जिला कोट्टायम) 7;
- ❖ तमिलनाडु: कृष्णागिरी (जिला कृष्णागिरी) 8, ऊथु (जिला तिरुनेलवेली) 7, अम्मापेट्टई (जिला इरोड) 7, नालुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 7, थोलमपालयम (कोयंबटूर) 7;
- ❖ मेघालय: नॉगस्टेन (जिला पश्चिम खासी हिल्स) 8;
- ❖ पंजाब: भरतगढ़ (जिला रूपनगर), कोटला (जिला रूपनगर) 8 प्रत्येक;
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: फुलबेरिया (जिला पुरुलिया) 7, आसनसोल (सीडब्ल्यूसी) (जिला पश्चिम बर्धमान) 7;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: गोरमी (जिला भिंड) 7;
- ❖ उत्तराखंड: देहरादून (जिला देहरादून) 7;
- ❖ ओडिशा: गरदापुर (जिला केंद्रपाड़ा) 7

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा 100, फिरोजाबाद 61, अलीगढ़ 65, आगरा 59, इटावा 57, आगरा ताज और झाँसी 56-56, फर्रुखाबाद 54, मैनपुरी 50, झाँसी 44, कासगंज और शामली 41-41;
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: अलीपुर 88; कलना 83; हुगली 78; दमदम 74; श्यामपुर, नंदकुमार 67; कल्याणी 65; हरिन्घाटा 63; निमपिथ, बैरकपुर 59; बीजपुर, खड़गपुर 57; उलूबेरिया 54; अगरपारा 52;
- ❖ ओडिशा: भवानीपटना 78;

- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोकनगर 70, ग्वालियर 67, शिवपुरी 67, सीहोर 59, आगर 50, गुना 48, इंदौर 46, भोपाल, नीमच 39, मंदसौर 37, बड़वानी 37, धार 35, विदिसा राजघाघ, बैतूल 33, खंडवा, उज्जैन 31, होसंगाबाद 30;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: रागोलु (श्रीकाकुलम) 67;
- ❖ जम्मू-कश्मीर: गुलमर्ग 67;
- ❖ कच्छ: भचाऊ (कच्छ) 65;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: हमीरपुर (नेरी) 63;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: उन्नाव 63, भराइच 56, फतेहगढ़ 46, गोरखपुर 39, लखनऊ 37;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेज 62;
- ❖ बिहार: पूर्वी चंपारण 61;
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: होसुर (कृष्णागिरी) 57;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: विल्होली (नासिक) 57, कलवान (नासिक) 48;
- ❖ उत्तराखंड: चंपावत में 54, जौलीग्रांट में 46, रुद्रप्रयाग में 46, मोखमपुर में 43, कपकोट में 43, चमोली में 43, मुक्तेश्वर में 43, मालदेवता में 33, रूडकी में 31;
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरिया 54;
- ❖ तेलंगाना: रामगिरि_खिला (पेद्दापल्ली) 54, रास_पोलासा (जगतियाल) 46, कावेरी_सिद्दीपेट (सिद्दीपेट) 43, प्रकाशम_जम्मिकुंटा (करीमनगर) 43, घटकेसर (रंगारेड्डी) 43, पालम (नागरकुर्नूल) 41, दुल्लापल्ली (रंगारेड्डी) 41;
- ❖ झारखंड: पूर्वी सिंहभूम 52;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: मझियान 50; मालदा 44;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: नरसिंहपुर 50, सागर 48, सतना 43, शहडोल 41, जबलपुर 37, अनुपपुर 31;
- ❖ पंजाब: होशियारपुर 50, रूपनगर 54, मोहाली 50, पटियाला 48, फरीदकोट 46;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 43;
- ❖ हरियाणा: जिंद 41, रोहतक 39, चंडीगढ़ 43, पंचकुला 48, हिसार 46

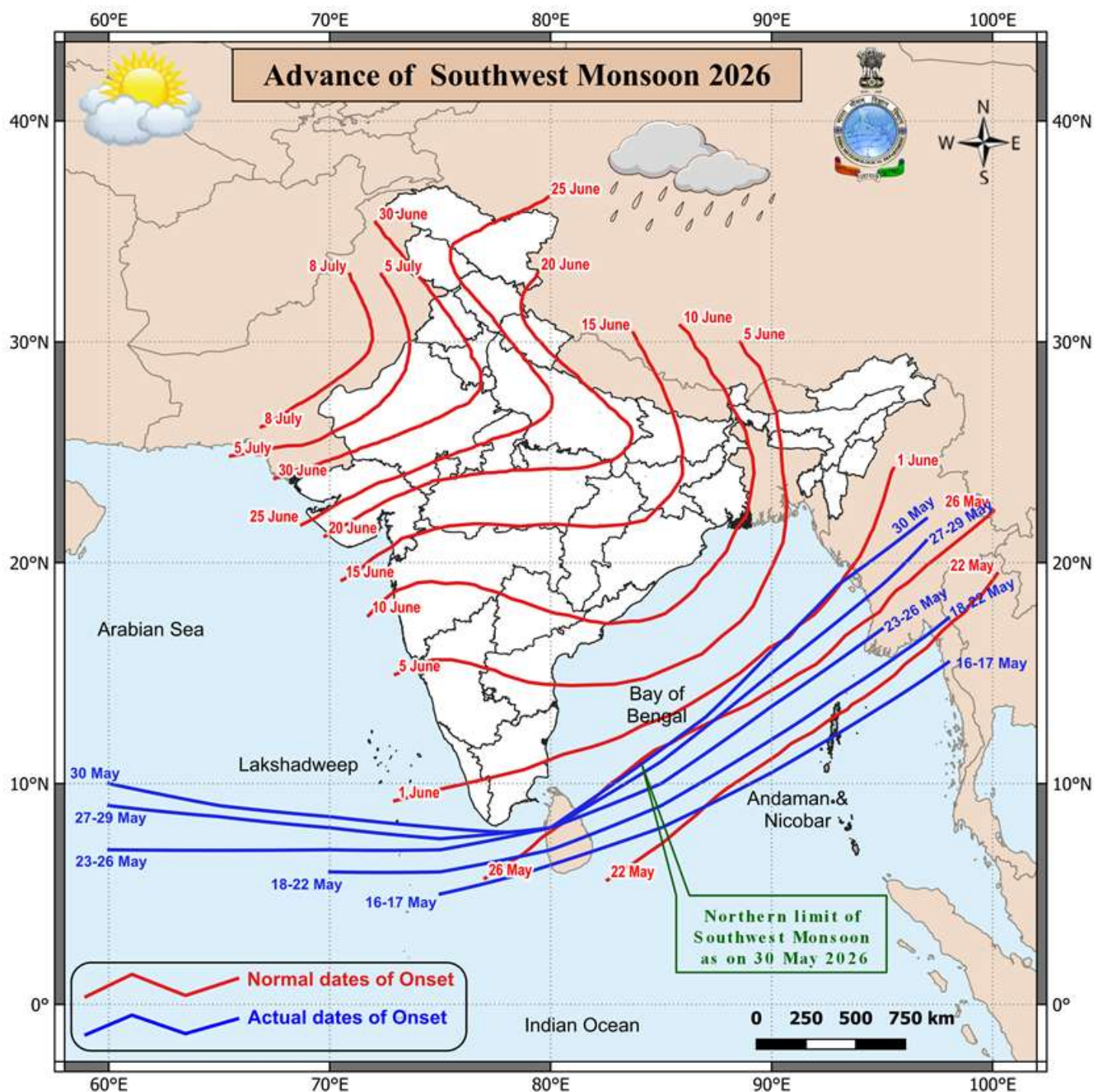
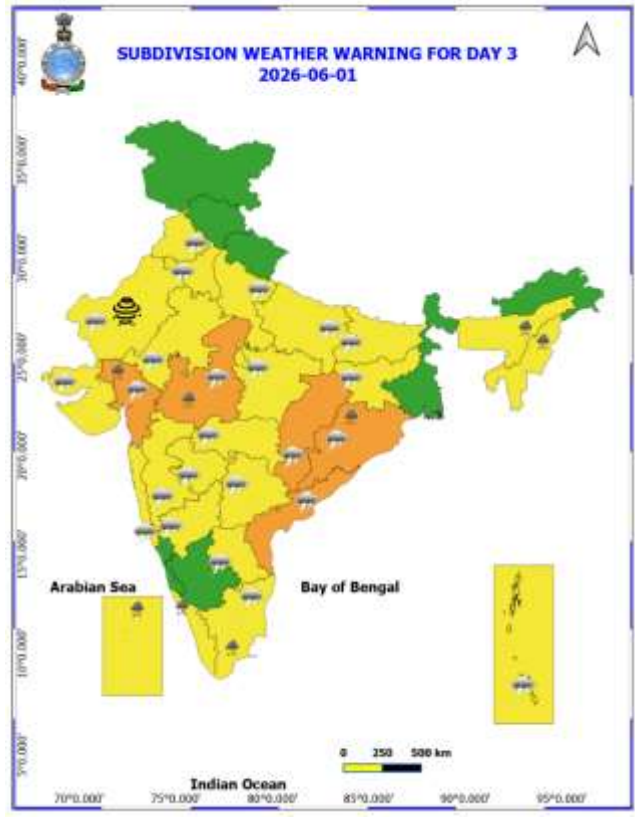
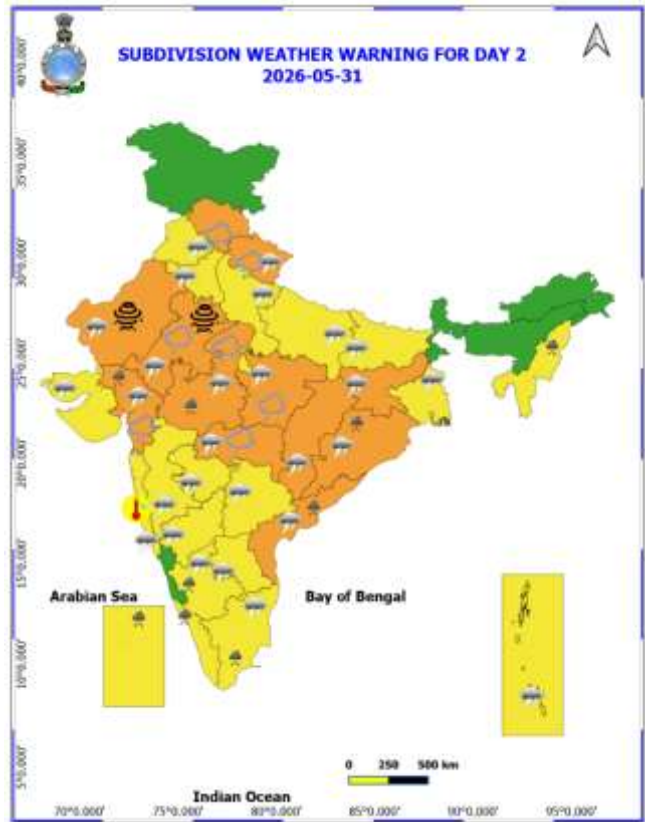
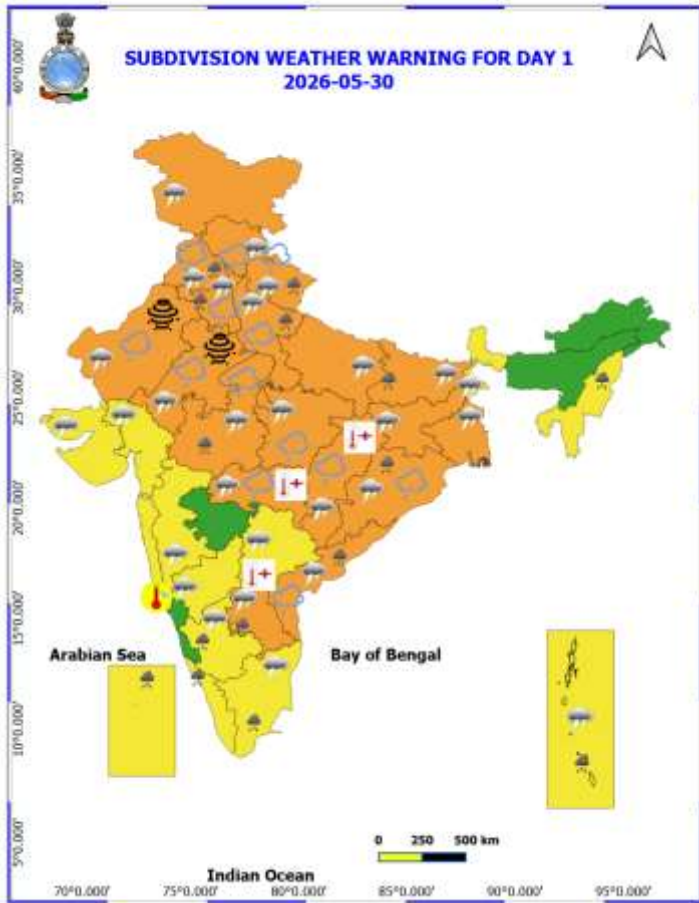
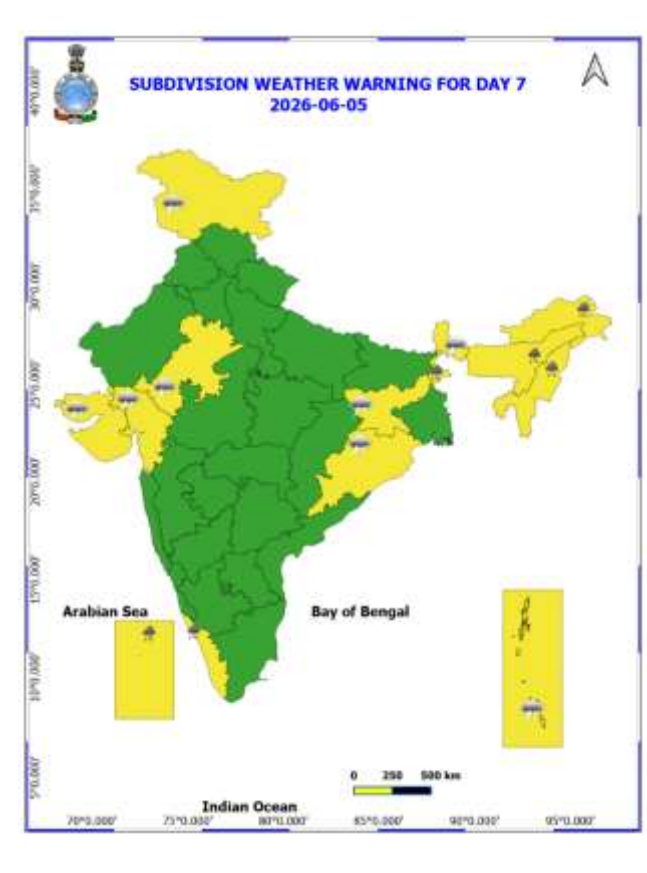
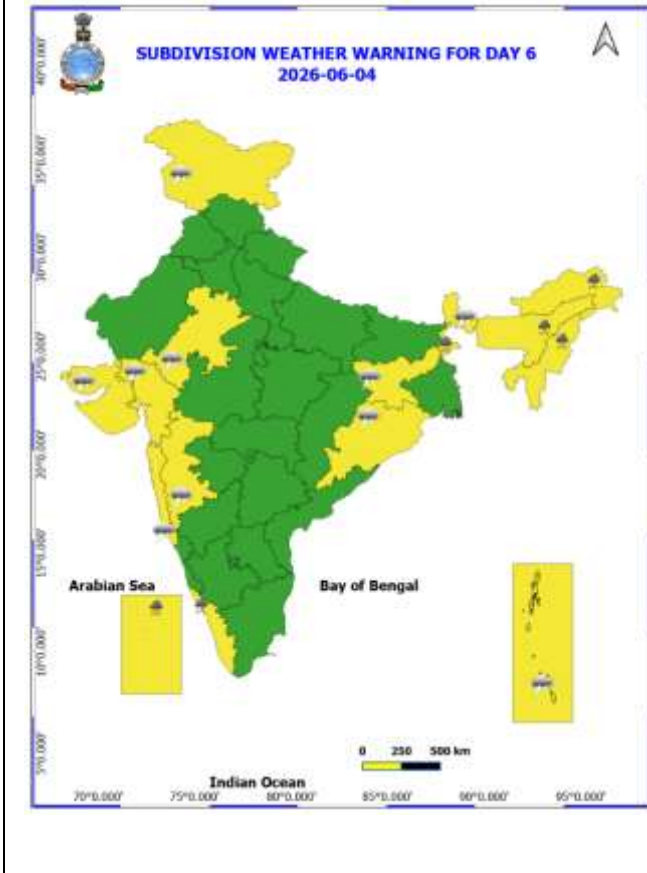
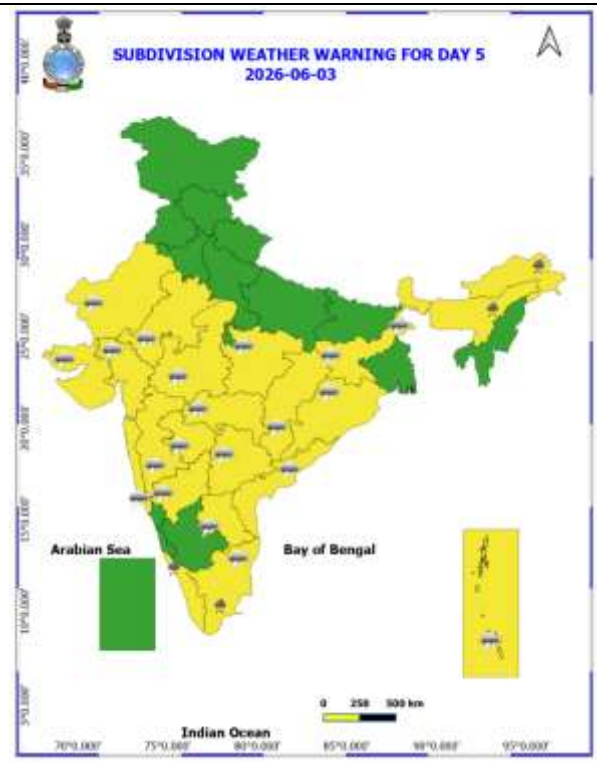
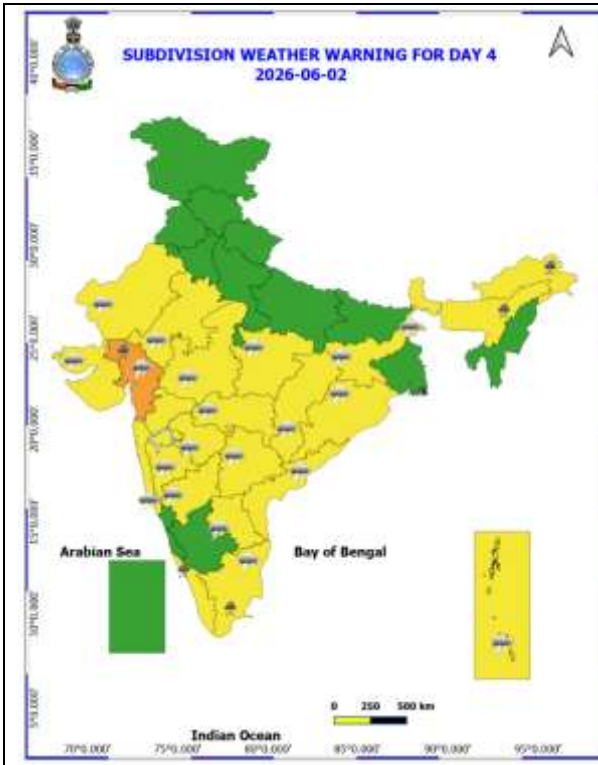


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	30- May	31- May	1- Jun	2- Jun	3- Jun	4- Jun	5- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
12	UTTARAKHAND	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	WS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	DRY	ISOL	ISOL	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

30 मई से 02 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 3-5°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 1-3°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 35-37°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21-25°C की सीमा में रहे। न्यूनतम तापमान कुछ अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी नीचे (-5.1°C या उससे कम), कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से नीचे (1.6°C से 3.0°C) रहे। अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी नीचे (-5.1°C या उससे कम) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) रहे। आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से बदलकर आम तौर पर बादल छाए रहने वाला हो गया। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में गरज/बिजली और 61 किमी प्रति घंटे तक की गति वाली तेज़ हवाओं के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से 22 किमी प्रति घंटे तक की सतही हवा की गति के साथ आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

30.05.2026: दोपहर तक आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से बदलकर आम तौर पर बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। शाम से रात के समय गरज/बिजली और 50-60 किमी प्रति घंटे की तेज़ हवाओं (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटे तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36°C से 38°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) रहेंगे। दोपहर के घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक की गति वाली सतही हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान सतही हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। 31.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो बाद में पूरी तरह से बादलों से घिर जाएगा। शाम/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलेंगी, जिनकी गति बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 22 किमी प्रति घंटे से भी कम हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति और कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से भी कम हो जाएगी। 01.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से भी कम हो जाएगी। 02.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर

के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 kmph से भी कम हो जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (50-60 kmph, जो 70 kmph तक पहुँच सकती हैं) के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है, जिसके साथ धूल भरी हवाएँ भी चल सकती हैं।

संभावित प्रभाव: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं और बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं; पेड़ों की सूखी डालियाँ गिर सकती हैं; खड़ी फसलों को नुकसान पहुँच सकता है; डालियाँ गिरने के कारण बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर गंभीर नुकसान पहुँच सकता है; तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है; हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

•जन सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम के अपडेट्स और बिगड़ते हालात पर लगातार नज़र रखें; घर के अंदर ही रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें; खिड़कियाँ और दरवाज़े मज़बूती से बंद रखें; सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुले इलाकों में जाने से बचें; पेड़ों के नीचे शरण न लें; बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों के सहारे खड़े हों; बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें; तुरंत सुरक्षित जगह पर चले जाएँ।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 30 मई को और राजस्थान में 30 और 31 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, रायलसीमा में 30 मई को; पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 30 मई से 1 जून तक; विदर्भ, झारखंड में 30 और 31 मई को; ओडिशा में 31 और 1 जून को; पश्चिमी राजस्थान में 1 जून को; पश्चिमी मध्य प्रदेश में 30 मई से 3 जून तक; गुजरात क्षेत्र में 30 मई से 2 जून तक गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, 30 और 31 मई को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में, 31 मई को गुजरात क्षेत्र में और 2 जून को मध्य महाराष्ट्र में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।

- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 30 मई को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; 30 और 31 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 30 मई से 3 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 30 मई से 5 जून के दौरान केरल और माहे में; 30 मई से 1 जून और 4 और 5 जून को लक्षद्वीप में; 30 मई से 1 जून के दौरान ओडिशा में; 30 मई से 1 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 31 मई से 2 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 4 और 5 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 30 मई को विदर्भ, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत अधिक संभावना है।

येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, तटीय आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अंडमान और निकोबार में, खड़ी फसलों में सिंचाई, निराई-गुड़ाई और पौधों की सुरक्षा के उपाय व उर्वरकों का प्रयोग कुछ समय के लिए टाल दें। खेतों में जलभराव को रोकने के लिए, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- नागालैंड में, बैंगन की रोपाई मुख्य खेत में करने में देरी करें। जिन पौधों की रोपाई पहले ही हो चुकी है, उनके लिए मक्का, सब्जियाँ और बागों के खेतों के अंदर और आसपास जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- मणिपुर में, यह सुनिश्चित करें कि धान के खेतों के चारों ओर मेड़ें और बांध अच्छी तरह से बने हों, ताकि पानी का आवश्यक स्तर बना रहे; मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- मिजोरम में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियां बनाएं और बीजों को ढकने के लिए घास की मलच (mulch) का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्का के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें टेक (propping) लगानी चाहिए।
- त्रिपुरा में - पके हुए बोरो धान की कटाई तुरंत करें और कटी हुई फसल को भंडारण के लिए किसी सुरक्षित और सूखी जगह पर ले जाएं।
- बिहार में, खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। उचित जल निकास व्यवस्था के साथ धान की बुवाई के लिए नर्सरी तैयार करें।
- तमिलनाडु में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- केरल में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- लक्षद्वीप में, खड़ी फसलों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।
- आंध्र प्रदेश में - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना है—जिनमें उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा, शामिल हैं—वहाँ खड़ी फसलों की सिंचाई रोक दें और फसल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- छत्तीसगढ़ में, रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।

➤ **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों में सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें, और पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या पुआल की मलच का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।

➤ **तेलंगाना में**, आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

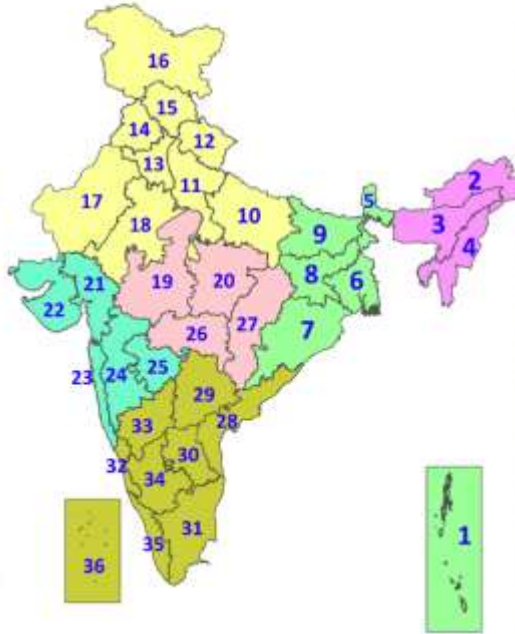
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)